एकीकृत पोषक प्रबंधन का 15 दिवसीय प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र मांडू, रामगढ़ में 05 नवम्बर 2020 को खाद विक्रेता के लिए एकीकृत पोषक प्रबंधन पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में जिला कृषि पदाधिकारी, हजारीबाग/रामगढ़, श्री राजेंद्र किशोर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि मिट्टी का स्वास्थ स्वस्थ पोषण का आधार है। सही तरीके से उत्पादन की चाह में मिट्टी का प्रबंधन एवं रासायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य एवं कृषि उत्पादन भी बढ़ती है उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण सत्र के दौरान हरी खाद का उपयोग जैविक खाद एवं तरल खाद का प्रयोग, टपक सिंचाई विधि, सुक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग एवं खाद इस्तेमाल करने के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि 15 दिवसीय प्रशिक्षण के बाद खाद प्रयोग की तकनीकी दक्षता आपाएगी। जो कि उर्वरक संबंधी व्यवसाय करने में सहयोग करेगी।प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डॉ डी.के. राघव ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उपलब्ध संसाधनों का समुचित प्रबंधन एवं उपयोग में लागत में कमी लाने के लिए विभिन्न उन्नत कृषि तकनीकों का समावेश आवश्यक है। उर्वरक के उपयोग की सही जानकारी मृदा स्वास्थ्य एवं लागत में कमी के लिए अति आवश्यक है। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ इंद्रजीत ने कहा कि प्रशिक्षण 05 नवम्बर 2020 से शुरू होकर 19 नवम्बर 2020 तक चलेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रशिक्षक के रूप में अच्छे-अच्छे प्रशिक्षक बाहर से बुलाए जाएंगे जिससे प्रशिक्षणार्थियों को ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। प्रशिक्षण के पहले दिन केंद्र के सभी वैज्ञानिक डॉo धर्मजीत खेरवार, श्री आशीष बालमुचू, श्री सन्नी कुमार उपस्थित रहे|